अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा)
ANUVRAT GLOBAL ORGANIZATION (ANUVIBHA)

Headquaters: CHILDREN'S PEACE PALACE
Post Box No. 28, Rajsamand - 313 326 (India)
Telefax : +91 2952 220516, 220628
Email: rajsamand@anuvibha.in
www.anuvibha.in

'स्वस्थ समाज निर्माण की शाला है – ज्ञानशाला

(पंच दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर प्रारम्भ)

12 जून राजसमन्द

अणुविभा केन्द्र के प्रांगण में शनिवार को आयोजित पंच दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुनि तत्त्वरुचि 'तरूण' ने कहा कि ज्ञानशाला भावी स्वस्थ समाज की निर्माण शाला है। ज्ञानशाला के माध्यम से बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान एवं संस्कार दिये जाते है जो एक नेक व अच्छे इंसान का निर्माण करता है। मुनि ने कहा कि माता–पिता और शिक्षक बच्चों को सुसंस्कारी बनाने में उत्तरदायी होते है। मां केवल जन्मदायी ही नहीं संस्कार निर्माणदायी भी होती है। उन्होंने मां को प्रथत पाठशाला तथा शिक्षिका बताया। संसार में सम्पत्ति का मूल्य है लेकिन संस्कार अमूल्य है। बालक कोरे कागज के तुल्य होते है उस पर सुसंस्कारों का चित्र उकेरा जाए। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को सुसंस्कारी बनाकर ही हम वर्तमान की समस्याओं का समाधान खोज सकते है।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री बसन्तीलाल बाबेल ने कहा – बालकों को सुसंस्कार देकर समाज की जड़ों को मजबूत किया जाये। साथ ही भावीपीढ़ी को बाह्य कुसंस्कारों से बचाया जाए। श्रीमान् सुरेशचंद्र कावड़िया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा – ज्ञानशाला एवं शिविरों के माध्यम से बच्चों की सोच सम्यक होती है। संतुलित सोच विकास के लिए महत्त्वपूर्ण होती है। मुनिश्री पदमकुमार ने सुमधुर गीत का संगान किया, श्रीमान् मदनलाल धोका ने स्वागत भाषण तथा जगजीवनलाल चोरड़िया ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में ज्ञानशाला के बालकों ने मंगलाचरण किया, सभा का संचालन श्री प्रकाशचंद्र तातेड़ ने किया। श्रीमती मंजु दक, श्रीमान् गणपत धर्मावत, शिक्षाविद् श्री चतुर कोठारी ने भी विचार रखें। सभा में श्रीमान् विमल जैन, मांगीलाल मादरेचा, बालमुकुन्द सनाढ्य, साबिर शुक्रिया, मंजू सामरा, मुकेश वैष्णव आदि विशिष्ट जन उपस्थित थे। शिविर में अनेक क्षेत्रों के सकड़ों बालक–बालिका भाग ले रहे है।

सादर

(विमल जैन)
प्रबंध निदेशक

अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा)
ANUVRAT GLOBAL ORGANIZATION (ANUVIBHA)

Headquaters: CHILDREN'S PEACE PALACE
Post Box No. 28, Rajsamand - 313 326 (India)
Telefax : +91 2952 220516, 220628
Email: rajsamand@anuvibha,in
www.anuvibha.in

दिनांक – 13 जून 2010

"शिविरार्थियों ने सीखी जीने की कला"

(अणुविभा में पंच दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर शुरू)

13 जून, राजसमन्द

मुनिश्री तत्वरुचि 'तरूण' के सान्निध्य में अणुव्रत विश्व भारती द्वारा समायोजित पंच दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर में शिविरार्थियों ने 'सीखी जीने की कला' । शनिवार को चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत विविध प्रकार के प्रायोगिक प्रशिक्षणों के द्वारा शिविरार्थी बालक–बालिकाओं को नैतिक आध्यात्मिक एवं व्यवाहारिक ज्ञान दिया गया। सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हेतु ध्यान, योग, आसन, प्राणायाम के अलावा बच्चों को शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक तथा भावनात्मक विकास की प्रायोगिक विधाओं से भी परिचित कराया गया। शिविरार्थियों को विभिन्न समूहो में विभक्त कर उनकी क्षमताओं का परीक्षण किया गया। शिविर में मुनिश्री तत्वरुचि 'तरूण' ने प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, तीर्थंकर परम्परा की विशिष्ट ज्ञानवर्द्धक जानकारियां रोचक प्रश्नोत्तरी शैली में बतलायी।

<u>इन्होंने दिया सक्रिय प्रशिक्षण</u> :– शिक्षाविद् चतुर कोठारी, बालमुकुन्द सनाढ्य, प्रकाश तातेड़, साबिर शुक्रिया ।

<u>इनका रहा योगदान</u> :– जगजीवनलाल चोर्डिया, मदनलाल धोका, विमल जैन, मुकेश वैष्णव, प्रभा सनाढ्य जोधराज गुर्जर आदि

<u>इन क्षेत्रों के शिविरार्थियों ने की शिरकत</u> – अहमदाबाद, भीलवाड़ा, आसींद, आमेट, कांकरोली, राजसमन्द, श्री डूंगरगढ़, पाली, उदासर, दिवेर, धोइन्दा, श्रीगंगानगर, बिनोल।

अणुव्रत सभागार में एकल भक्ति संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र वर्ग में लक्षित कावड़िया, राजनगर प्रथम, अनिल पीतलिया कांकरोली द्वितीय, भूपेन्द्र पगारिया दिवेर तृतीय रहें। छात्राओं में प्रथम रश्मि सुराणा दिवेर, साक्षी दूगड़, श्री डूंगरगढ़ द्वितीय रही। श्री विनोद बड़ाला, साबिर शुक्रिया प्रतियोगिता के निर्णायक थे। कार्यक्रम संचालन प्रकाश तातेड़ ने किया।

सादर

(विमल जैन)
प्रबंध निदेशक

अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा)
ANUVRAT GLOBAL ORGANIZATION (ANUVIBHA)

Headquaters: CHILDREN'S PEACE PALACE
Post Box No. 28, Rajsamand - 313 326 (India)
Telefax : +91 2952 220516, 220628
Email: rajsamand@anuvibha,in
www.anuvibha.in

"स्वस्थ प्रतियोगिताओं से किया बच्चों में सुसंस्कारों का बीजारोपण"
(राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर की रोचक प्रस्तुतियां)

14 जून राजसमन्द

मुनिश्री तत्त्वरुचि 'तरूण' के निर्देशन में अणुविभा केन्द्र में चल रहे राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर के दौरान रविवार को विविध स्वस्थ प्रतियोगिताओं के माध्यम से शिविरार्थी छात्र–छात्राओं में सुसंस्कारों का बीजारोपण किया। प्रतियोगिता प्रभारी श्रीमान् चतुर कोठारी ने बताया कि तेरापंथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में आसींद की सुश्री विभा रांका प्रथम, अहमदाबाद के धीरज दुग्गड़ ने द्वितीय तथा पाली के प्रांजुल गोगड़ व राजनगर के लक्षित कावड़िया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ज्ञानशाला क्विज प्रतियोगिता के संयोजक श्री साबिर शुक्रिया ने बताया कि क्विज प्रतियोगिता में सुश्री प्रज्ञा दुग्गड़ अहमदाबाद प्रथम, लक्षित कावड़िया द्वितीय रश्मि सुराणा व धीरज दुग्गड़ तृतीय स्थान प्राप्त कर अव्वल रहे।

एक अन्य कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में अक्षय चपलोत राजनगर प्रथम, श्री कौशल खटेड़ श्रीगंगानगर द्वितीय तथा योगेश सहलोत राजनगर तृतीय स्थान पाने में सफल रहे।

प्रकाश तातेड़ की अगुवाई में प्रारम्भ हुई अणुव्रत, तुलसी, महाप्रज्ञ दर्शन दीर्घा प्रतियोगिता में श्री गौरव कोठारी, साक्षी, प्रज्ञा दुग्गड़, साक्षी संचेती आदि प्रथम, रजत झाबक, योगेश सहलोत, सुश्री झिल सांखला द्वितीय श्री रचना दुग्गड़, अमित जैन, भूपेन्द्र जैन, शुभम पोखरना, तृतीय स्थान पाकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। मुनिश्री तत्त्वरुचि 'तरूण' ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा – प्रतियोगिताएं प्रगति का सौपान है। वे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्रतियोगिता एक सुअवसर है जिससे अपनी योग्यताओं को परखने का सुअवसर मिलता है।

सादर

(विमल जैन)
प्रबंध निदेशक

Registered Office: Anuvibha Jaipur Kendra, JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur - 302 017
...91 141 5127358, 4017989, Fax : +91 141 2710118, E-mail : anuvibha@sify.com, anuvibha@anuvibha.in

अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा)
ANUVRAT GLOBAL ORGANIZATION (ANUVIBHA)

Headquaters: CHILDREN'S PEACE PALACE
Post Box No. 28, Rajsamand - 313 326 (India)
Telefax : +91 2952 220516, 220628
Email: rajsamand@anuvibha,in
www.anuvibha.in

दिनांक – 14 जून 2010

"जीवटता से जीने का नाम है– जिंदगी"

(राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर का तीसरा दिन)

: मुनिश्री तत्त्वरुचि 'तरूण'

14 जून, राजसमन्द

मुनिश्री तत्त्वरुचि 'तरूण' ने कहा कि केवल सांसे लेकर जीवन पूरा कर लेना ही जिंदगी नहीं है बल्कि जीवन को जीवटता से जीने का नाम है– जिदंगी। महत्त्व इसका नहीं कि कौन कितना जीता है, महत्त्व उसका है कि कौन कैसे जीता है। उन्होंने कहा – जीवन भले एक दिन का ही क्यों न हो मगर हम ताज बनकर जीएं। ये बात उन्होंने सोमवार को अणुविभा के अणुव्रत सभागार में समुपस्थित राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर के शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहीं

रविवार को दिनभर चले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों ने विविध प्रकार से सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण देकर शिविरार्थियों को जीवन की असलियत से रूबरू कराया। साथ ही बाह्य एवं आंतरिक व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया भी बतलायी। श्रीमान् नरेन्द्रकुमार 'निर्मल' वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन विकास) जे०के० इण्डस्ट्रीज कांकरोली ने शिविरार्थियों को गुस्सा क्या, क्यों, कारण एवं निवारण पर प्रभावी प्रस्तुती दी। मुनिश्री तत्त्वरुचि 'तरूण' ने जैन धर्म व तीर्थंकर परम्परा की आवश्यक जानकारियां दी। शिक्षाविद् चतुर कोठारी, पूर्व शिक्षाधिकारी श्री बालमुकुन्द सनाढ्य, प्रकाश तातेड़, साबिर शुक्रिया, श्रीमती प्रभा सनाढ्य, विनिता पालीवाल, मुकेश वैष्णव, कमल काबरा आदि ने प्रशिक्षण में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। श्रीमान् मदनलाल धोका, जगजीवनलाल चोरड़िया, विमल जैन एवं ज्ञानशालाओं की प्रशिक्षिकाओं ने व्यवस्थाओं के सम्पादन में अहम् भूमिका निभायी।

सादर

(विमल जैन)
प्रबंध निदेशक

अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा)
ANUVRAT GLOBAL ORGANIZATION (ANUVIBHA)

Headquaters: CHILDREN'S PEACE PALACE
Post Box No. 28, Rajsamand - 313 326 (India)
Telefax : +91 2952 220516, 220628
Email: rajsamand@anuvibha.in
www.anuvibha.in

"संस्कारों की सौरभ से जीवन को महकाएं"

(राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर का चौथा दिन)

: मुनि तत्त्वरुचि 'तरूण'

15 जून राजसमन्द

जीवन की महत्ता संस्कारों से है। अतः संस्कारों की सौरभ से जीवन को महकाएं। ज्ञानशाला शिविर भावीपीढ़ी को सुसंस्कारी बनाने का एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज के शुभ भविष्य का निर्माण होता है। ये बात मुनि तत्त्वरुचि 'तरूण' ने मंगलवार को अणुविभा में चल रहे पंच दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर के शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कही।

इससे पूर्व शिविरार्थियों ने अणुव्रत विश्व भारती में विश्व दर्शन, विज्ञान कक्ष, गुड़ियाघर, चित्त एकाग्र गुफा, संग्रहालय, महापुरूष दर्शन, राष्ट्र निर्माता चित्रांकन, पुस्तकालय, चिड़ियाघर, बाल संसद भवन आदि आकर्षक दीर्घाओं का अवलोकन किया। इस कार्यक्रमों में श्रीमान् चतुर कोठारी, मुकेश वैष्णव, साबिर शुक्रिया, प्रभा सनाढ्य व राधिका सनाढ्य ने बच्चों को गाइड करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

शिविर कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षक सुश्री विनीता पालीवाल व कमल काबरा ने बच्चों को फिल्म के माध्यम से जीवन की समस्या समाधान पर चर्चा की। शिविर के द्वितीय सत्र में चित्रकला प्रतियोगिता रखी जिसमें अनिल पीतलिया कांकरोली प्रथम, मोहित सेठिया पाली द्वितीय, विशाल चौपड़ा और प्रांजल गोगड़ तृतीय रहे। उद्घोष लेखन प्रतियोगिता में प्रियंका पुगलिया श्री डूंगरगढ़ प्रथम, श्री रश्मि सुराणा दिवेर द्वितीय, अक्षय चपलोत राजनगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कहानी कथन प्रतियोगिता में पीयुष सेठिया, उदासर प्रथम, रचना दुग्गड़ श्री डूंगरगढ़ द्वितीय, रश्मि सुराणा तुतीय स्थान पाने में सफल रहे। मुनि तत्त्वरुचि ने शिविरार्थियों को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा – प्रतियोगिताएं प्रतिभा प्रदर्शन करने का स्वर्णिम अवसर होती है। स्वस्थ प्रतियोगिताओं से बच्चों में सरलता एवं सरसता से सुसंस्कारों का वपन किया जा सकता है।

तेरापंथ के ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन – शिविरार्थियों ने मंगलवार को सिरियारी, सम्बोधि, केलवा, दिवेर आदि ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। यात्रा के दौरान शिविरार्थियों ने ध्यानयोगी मुनि शुभकरण, मुनि सागरमल 'श्रमण' मुनि जतनकुमार आदि के प्रवचन एवं दर्शनों का लाभ लिया।

समापन समारोह आज – पंच दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञानशाला शिविर का समापन समारोह आज बुधवार को प्रातः 10 बजे अणुव्रत सभागार में होगा। यह जानकारी शिविर संयोजक श्रीमान् मदनलाल धोका ने दी। समापन समारोह मुनि तत्त्वरुचि 'तरूण' के सान्निध्य में होगा इस अवसर पर अनेक विशिष्टजन भी उपस्थित रहेगें।

सादर

(विमल जैन)
प्रबंध निदेशक

Registered Office: Anuvibha Jaipur Kendra, JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur - 302 017
Phone : 91 141 5127358, 4017989 Fax : +91 141 2710118 E-mail : anuvibha@sify.com, anuvibha@anuvibha.in